ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 24-02-2023

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-02-24 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-02-25	2023-02-26	2023-02-27	2023-02-28	2023-03-01
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	33.0	34.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	17.0	15.0	16.0	17.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	28	22	20	25
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	15	12	11	10	10
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	9.0	8.0	6.0	11.0	11.0
पवन दिशा (डिग्री)	210	217	111	80	219
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	0	3	0	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 32.0 से 34.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 15.0 से 17.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में दिन के बढ़ते तापमान और शुष्क मौसम की स्थिति को देखते हुए फसलों, सब्जियों, फलों आदि में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम परामर्श प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत ऐप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	सरसों की फसल में जब पतें झडनें लगें और फलियां पीली पडनें लगे तो फसल काट ले अन्यथा कटाई में देर होने पर दाने झड जाने की आशंका रहती है।
जीरा	जीरे की फसल में दाना पकने की अवस्था पर सिंचाई ना करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
तुरई	ग्रीष्मकालीन तोरई की बुवाई करें बुवाई हेतु उन्नत किस्में:- पूसा नसदार, पूसा चिकनी, अर्का सुजात, अर्का सुमित, पी.आर.जी-1 । एक हैक्टेयर के लिए 5 किलो बीज पर्याप्त होता है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लौकी	लोकी की बुवाई करें बुवाई हेतु उन्नत किस्में:- पूसा समर, पूसा नवीन, पूसा मेघदूत, पंजाब कोमल। लोकी की बुवाई हेतु 4-5 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त है। 60 किलो नत्रजन, 100 किलो फास्फोरस व 80 किलो पोटास प्रति हैक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	तारामीरा की फसल पकाव अवस्था पर है अतः पकी फसल की कटाई करें व सुरक्षित स्थान पर रखें।